RAJYA SABHA

Tuesday, the 8th December, 1992/17th Agrahayana, 1914 (Saka)

The House met at eleven of the Clock, *Mr. Chairman* in the Chair.

श्री सिकन्दर बख्त : जोशी जी को वापस बुलाइए . . . **(व्यवधान)** जोशी जी को बुलाया जाए . . . **(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت : جوشی جی کو واپس بلائیے ..... "مداخلت" ..... جوشی جی کو بلایا جائے ..... "مداخلت" .....]

MR. CHAIRMAN : May I say something ?

श्री सिकन्दर बख्त : आडवाणी जी को अरेस्ट करके . . . **(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت : اڈوانی جی کو اریسٹ کرکے ..... "مداخلت" .....]

MR. CHAIRMAN : You have to allow me to say something. . . (*Interruptions*) . . You can do whatever you like. . . (*Interruptions*). Can I read this out . . . (*Interruptions*). I have to read out a statement. . . (*Interruptions*) . . Finished ? Finished ? You have raised the matter. Now please sit down. . . (*Interruptions*) . . Nothing that is being said will go on record. Nothing will go on record. It is without my permission, without the permission of the Chair . . . (*Interruptions*). I am afraid, if you don't allow the House to function, I have to adjourn the House. . . (*Interruptions*).

The House is adjourned till 2.30 P.M.

The House then adjourned at thirteen minutes past eleven of the clock.

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का विकास

*201. **डा. बापू कालदाते** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने पर्यटन की दृष्टि से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के विकास के लिए एक योजना बनाई; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और **(ख)** 5 मई, 1992 को संसद में प्रस्तुत की गई पर्यटन के लिए बनाई गई राष्ट्रीय कार्य योजना में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को एक गंतव्य के रूप में गहन विकास हेतु अभिनिर्धारित किया गया है । सरकार ने विदेशी पर्यटकों हेतु सात स्थान रात्रि में ठहरने के लिए और पांच स्थान सिर्फ दिन में घूमने के लिए खोलने का निर्णय लिया है ।

गुजरात और उत्तर प्रदेश में ग्रामीण टेलीफोन एक्सचेंजों की स्थापना

*202. **श्री राम सिंह राठवा** :
श्री ईश दत्त यादव :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात और उत्तर प्रदेश में वर्ष 1990-91, 1991-92 और 1992-93 के दौरान ग्रामीण टेलीफोन एक्सचेंज खोलने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया था,

(ख) यदि हां, तो उक्त लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है, और

(ग) उक्त लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) और (ख) जी हां ।